A Newsletter of Maitree Jankalyan Samiti

मैत्री समूह

Chirping Sparrow

Year - 10, Issue - 1

कोशिश करने वालों की

लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना अखरता है।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

डुबकियाँ सिंधु में गोताखोर लगाता है,
जा-जाकर खाली हाथ लौटकर आता है।
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में,
बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में।
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।
कुछ किये बिना ही जय जयकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

- हरिवंशराय बच्चन

PRIDE OF SOCIETY

Shikha Jain

Born and brought up in Manipur, Shikha today is a role model for many. She became a paraplegic at the age of 7, in a bomb blast accident. Even as a child she did not let pity and sympathy take over instead not only she continued her life as any other child but also topped her 12th Board exams. She has done exceptionally well in her academics and has completed her post-graduation.

Her life had its own challenges, for instance, her mobility was with aids (calipers and crutches) and she had to be carried at times. Due to the spinal injury and a hip dislocation she had to be confined to her house for more than a year and she went to school only to write her board exams. However despite all these challenges, she is full of unstoppable energy and enthusiasm. Her positive attitude towards life is actually contagious. While she was in the rehab camp for the differently abled patients, she successfully counseled and motivated other patients to have a positive attitude towards life.

Shikha has won multiple awards including an award from the former President, Hon. Dr. A.P.J. Abdul Kalam for her academic achievements. Her life story has also been featured in school text books. Shikha currently teaches in a Government school in Manipur and wants to do her bit for the society.

Pride of Society कॉलम में हम समाज के ऐसे व्यक्तियों के जीवन परिचय प्रकाशित करते हैं, जिन्होंने बेहतर जीवन मूल्यों के साथ समाज की प्रगति में सहयोग दिया हो, या जिन्होंने जीवन को संघर्षों में जीने के बाद भी ऊँचाइयों को छुआ हो। ऐसे व्यक्तियों के जीवन के बारे में पढ़कर हम अपने धर्म और समाज पर गर्व कर सकें यही हमारा उद्देश्य है। यदि आप भी ऐसे किसी व्यक्ति को जानते हों तो हमें फोटो सहित उनकी जानकारी प्रेषित करें, हम उसे प्रकाशित कर गौरवान्वित महसूस करेंगे।

विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी मैत्री समूह विशिष्ट योग्यता प्राप्त करने वाले जैन छात्र-छात्राओं से Young Jaina Award 2013 के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

वर्ष 2013 में 12वीं कक्षा (State/CBSE) में 75% से अधिक, 10वीं कक्षा (State/CBSE) में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले एवं CPMT/State PMT, IIT, NTSE में चयनित होने वाले जैन छात्र-छात्राएँ हमारी Website www.maitreesamooh.com पर visit कर online form भर सकते हैं या form download कर उसे भर कर भेज सकते हैं।

Form भेजने हेतु पता है-मैत्री समूह, पोस्ट बॉक्स नं. 15, विदिशा, पिन-464002
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें- 09827440301, 09425424984

Maitree Samooh invites applications from the talented Jain students for Young Jaina Award 2013. Students with more than 75% in class XII or more than 90% marks in class X or selection in IIT JEE/ AIEEE/ NTSE/ AIPMT/ PMT in the academic year 2012-13 can either fill the form online or send the filled form to the following address: **Maitree Samoohi, Post Box No. 15, Vidisha, Madhya Pradesh - 464001**

Chirping Sparrow

Year - 10, Issue - 1

Chirping Sparrow is published by
MAITREE JANKALYAN SAMITI
Post Box No. 15, Vidisha, Madhya Pradesh - 464001
E-mail : maitreesamooh@hotmail.com, samooh.maitree@gmail.com
Website : www.maitreesamooh.com Mobile: 94254-24984
http://maitreesamooh.blogspot.com

It is circulated to all Young Jaina Awardees and friends of
Maitree Jankalyan Samiti.

युवा वर्ग और करियर

युवा वर्ग करियर के लिए बहुत चिंतित है, उसके करियर के लिए उसके माता पिता और परिवारजन सभी बहुत चिंतित होते हैं। लेकिन करियर का चयन करते समय हमें कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए जो कि बहुत जरूरी हैं, वर्ना ये एक ऐसी अंधी दौड़ है जिसमें हम दौड़ते चले जाएँगे लेकिन कहीं पहुँचेंगे नहीं। चार चीजें करियर का चयन करने से पहले हमें विचार करना चाहिए।

पहली तो ये कि हमारी संस्कृति और कुल परंपरा क्या है। करियर चुनने से पहले हम इस बात का पूरा ध्यान रखें। ऐसा न हो कि हम ऐसा करियर चुन लें जो कि वीतरागता को खंडित करता हो, अहिंसा और सत्य का प्रचार न करके, उसका विरोध करता हो।

दूसरी, हमारी अपनी आर्थिक स्थिति क्या है। हम आकाश में उड़ना चाहते हैं, बहुत अच्छी बात है। पर इसके लिए दो चीजें जरूरी हैं। या तो हमारे पास खुद के पंख हों और या फिर हमारे पास इतना पैसा हो कि हम हवाई जहाज का टिकट ले सकें। तभी हम हवा में, आकाश में उड़ पाएँगे। इसीलिए ये बहुत जरूरी है कि हमारी आर्थिक स्थिति क्या है। हम लोन ले रहे हैं पर उसे कैसे चुकायेंगे ? क्या हम बेईमानी करेंगे ? हम दूसरे के सामने हाथ फैला रहे हैं अपनी महँगी पढ़ाई होने की वजह से। इसीलिए कोई जरूरी नहीं कि हम बहुत महँगी पढ़ाई करके ही अपना करियर बनाएं। अगर सब लोग डॉक्टर बन जाएँगे, सब इंजीनियर बन जाएँगे और बड़े–बड़े प्रोफेसर बन जाएँगे तब फिर बढ़ई का काम कौन करेगा, तब झाड़ू लगाने का काम कौन करेगा, तब कपड़े सिलने और कपड़े धोने का काम कौन करेगा ? क्या ये कोई व्यवसाय नहीं हैं ? ये भी तो व्यवसाय हैं, हमें इनका भी महत्व समझना चाहिए।

तीसरी, हमारे करियर के चयन में हमारे माता पिता की क्या इच्छा है, इसका भी हमें ध्यान रखना चाहिए और चौथी, हम अपनी क्षमता का भी ध्यान रखें। अपनी क्षमता के अनुसार हम कैरियर का चयन करें। अगर मोर का बच्चा कोयल की तरह गाना चाहे तो संभव नहीं है और अगर कोयल का बच्चा मोर की तरह नाचना चाहे तो संभव नहीं है, तो करियर का चयन करने से पहले हमें अपने भीतर झाँककर देखना चाहिए कि हमारी क्षमता क्या है। चार लोग उस अंधी दौड़ में दौड़ रहे हैं, तो हम भी उसमें शामिल हो जाएँ, ऐसा कोई जरूरी नहीं है। हमारा अपना अनुशासन है, हमारा अपना जीवन है, हम अपने चुनाव के अनुसार अपने जीवन को ऊँचा उठा सकते हैं। ये हमें स्वयं चयन करना चाहिए।

जब हमें कोई सफलता मिल जाए तो हमें अहंकार नहीं करना चाहिए। हमें हवा में नहीं उड़ना चाहिए, बल्कि जमीन पर ही चलना चाहिए। अगर हमें कोई सफलता मिलती है तो उसके बाद हमारे जीवन में और अधिक विनय आनी चाहिए और जिनके सद्प्रयास से हमें सफलता हासिल हुई है, उनका हमें ध्यान रखना चाहिए। ऐसा न हो कि हम अपनी सफलता के अहंकार में, जिन लोगों ने हमारी मदद की है, हमारे माता पिता, हमारे परिजन, जिन्होंने हमारा करियर बनाने के लिए हमें इतनी ऊँचाई दी है, हम उन्हें ही भुला दें, उनका ही असम्मान कर बैठें। इतनी ऊँचाई तक जिन सबकी मदद से पहुँचे हैं, उन्हें अनदेखा न करें, उनकी भी विनय करें और जितनी सफलता मिलती जाए, हम और झुकते चले जाएँ, विनयवान होते चले जाएँ। हम कहीं भी, किसी भी स्थिति में रहें, हम अपनी ईमानदारी को अपने भीतर बनाये रखें। पैसा चार दिन रहता है परन्तु हमारी ईमानदारी जीवन भर प्रतिष्ठा पाती है। पैसे से प्रतिष्ठा, कब तक ? जब तक पैसा है तब तक ही मिलती है। पद से प्रतिष्ठा तब तक ही मिलती है जब तक आप पद पर हैं, उसके बाद जब आप नीचे उतरेंगे तो कोई आपको पूछने वाला नहीं होता। अगर आप ईमानदार हैं, कैसी भी स्थिति में रहें, पर सब लोगों के दिल में आपके लिए जगह होगी। थोड़े से पैसे के पीछे हम अपना ईमान खो देते हैं और बेईमानी करने लगते हैं। हमें थोड़ा सा विचार करना चाहिए कि अगर हम बेईमानी का सहारा लेकर आगे बढ़ते हैं तो कितनी दूर तक चलेंगे, थोड़ी दूर जाकर के हमें रूकना ही पड़ेगा और अगर ईमानदारी के साथ अपनी जीवन यात्रा करते हैं तो सफलता कदम–कदम पर हमारे साथ होगी।

अपनी संस्कृति और क्षमता के अनुसार आप अपने योग्य करियर का चुनाव बहुत सावधानी से करें। आप स्वयं निर्णय करें कि आपको अपना जीवन कैसे जीना है, कैसे ऊँचाई तक पहुँचना है। दूसरे को हटा करके अपना रास्ता बनाना है या कि स्वयं हट कर के दूसरे को भी रास्ता देने की कोशिश करनी है। अपना दृष्टिकोण और प्रवत्ति सकारात्मक बनाएं। हम अपनी सोच को बदलें और अच्छा सोच रखकर के अपने जीवन का कल्याण करें।

- मुनि क्षमासागर जी

सफलता का रहस्य

एक देश के राजा बहुत ही विद्वान थे। उनके राज्य में प्रजा हर तरह से सुखी और प्रसन्न थी। राजा के सभी मंत्री उनके द्वारा तय कार्यक्रमों के क्रियान्वन में कोई कसर नहीं छोड़ते थे। उनके प्रधानमंत्री भी बहुत ही विनम्र और सज्जन प्रकृति के थे। बढ़ती आयु और बिगड़ते स्वास्थ्य की वजह से उन्होंने एक दिन राजा के समक्ष पद त्यागने की इच्छा जताई। राजा ने भी वस्तुस्थिति को समझते हुए उन्हें स्वीकृति प्रदान कर दी, लेकिन अगले प्रधानमंत्री की व्यवस्था होने तक उनसे पद पर बने रहने का आग्रह किया। अब राजा को अपने सभी मंत्रियों में से प्रधानमंत्री का चयन करना था। इस कार्य के लिए राजा ने जब अपने सभी श्रेष्ठ मंत्रियों और उनके द्वारा किए गए कार्यों का आकलन किया तो उन्हें प्रधानमंत्री पद के तीन दावेदार नजर आए। इन दावेदारों में से किसी को भी अब तक के उनके कार्य प्रदर्शन के आधार पर कम नहीं आँका जा सकता था। राजा के लिए बड़ी ही धर्मसंकट की स्थिति खड़ी हो गई। क्या किया जाए, कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि अचानक राजा के मस्तिष्क में एक विचार आया कि क्यों न इनकी परीक्षा ली जाए। जो उस परीक्षा में सफल होगा, उसे प्रधानमंत्री बना दिया जाएगा। इससे न केवल योग्य उम्मीदवार की खोज पूरी होगी, बल्कि दूसरे भी उसकी बुद्धिमत्ता का लोहा मानकर उसका नेतृत्व स्वीकार कर लेंगे और राज्य संचालन में उसे सहयोग देंगे। ऐसा विचार कर राजा ने अगले दिन तीनों मंत्रियों को दरबार में बुलाया और कहा कि हम आप लोगों की परीक्षा लेना चाहते हैं। परीक्षा यह होगी कि आप तीनों को अलग–अलग कमरों में बंद कर बाहर से ताला लगा दिया जाएगा। आपमें से जो भी पहले कमरे से बाहर आ जाएगा, वह हमारे राज्य का अगला प्रधानमंत्री होगा।

राजा के आदेश पर तीनों मंत्रियों को अलग–अलग कमरों में बंद कर दिया गया। पहले मंत्री ने सोचा कि बंद कमरे से ताला खोलकर बाहर निकलना असंभव है। लगता है राजा हमारे साथ ठिठोली कर रहे हैं। अतः बेकार में मस्तिष्क पर जोर डालने से अच्छा है आराम किया जाए। वैसे भी बहुत समय से राजकार्य में व्यस्त रहने की वजह से आराम कर नहीं पाया था। प्रधानमंत्री मुझे बनना ही है, मैं सबसे ज्यादा अनुभवी और बड़ा हूँ। यह मेरा अधिकार है। ऐसा सोचकर वह आराम का अवसर देने के लिए राजा को मन ही मन धन्यवाद देता हुआ सो गया। दूसरे मंत्री का अपने कमरे में बुरा हाल था। प्रधानमंत्री बनने का सपना उसने वर्षों से सँजोया हुआ था। आज जबकि राजा बनने का सपना साकार करने का अवसर मिला तो उसे कमरे से बाहर निकलने का कोई उपाय नहीं सूझ रहा था। क्या किया जाए, इस उधेड़बुन में वह कमरे के चक्कर लगा रहा था। परेशानी में उसका रक्तचाप भी बढ़ता जा रहा था लेकिन उपाय था कि सामने ही नहीं आ रहा था। अंततः जब घूमते–घूमते वह थककर चूर हो गया, तो कमरे में रखी कुर्सी पर बैठ गया। उसे अपने शरीर की तरह अपना वर्षों का सपना भी चूर–चूर होता नजर आ रहा था। कुछ सूझता न देख वह भगवान की याद करने लगा कि प्रभो! कुछ चमत्कार करो कि कमरे के दरवाजे स्वतः खुल जाएँ और मैं प्रधानमंत्री बन जाऊं। तीसरा मंत्री जो कि आयु और अनुभव में दोनों मंत्रियों से कम था, बंद कमरे में शांति से बैठकर चिंतन–मनन कर रहा था। उसने सोचा कि हमारा राजा बहुत ही विद्वान और ज्ञानी है। ऐसा राजा बिना किसी कारण के ऐसी परीक्षा नहीं लेगा, जो सामान्यतः बिना किसी चमत्कार के संभव न हो। यानि कि राजा की बात में कोई राज है हालांकि बंद कमरे का ताला खोलना संभव नहीं है फिर भी प्रयत्न करने में क्या बुराई है।

इस प्रकार विचार कर वह उठ खड़ा हुआ और उसने दरवाजे के पास आकर धीरे से धक्का दिया। दरवाजा बिना किसी विशेष प्रयास के खुल गया। उस पर कोई ताला नहीं था। इस तरह तीसरे मंत्री की सफलता से खुश होकर उसे प्रधानमंत्री घोषित कर दिया गया और सभी ने राजा के निर्णय को सहर्ष स्वीकार कर लिया। कितनी सारयुक्त कहानी है यह। वर्तमान में ऐसे कितने लोग हैं जो किसी अवसर का लाभ तीसरे मंत्री की तरह उठाना चाहते हैं? जब जीवन में आगे बढ़ने का कोई अवसर आता है तो वे अपनी आयु, अनुभव आदि का गुमान पाले हुए चैन की नींद सोने चले जाते हैं या फिर कुछ न सूझता देख प्रयत्न करने की जगह ईश्वर से चमत्कार की उम्मीद करने लगते हैं। यह जानते हुए भी कि वही ईश्वर हमें 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु **कदाचन्**' की शिक्षा देता है। प्रयत्न के बिना सफलता संभव नहीं। कहते हैं अवसर कभी चाँदी की तश्तरी में परोसे हुए नहीं मिलते। वे तो कठिनाइयों के रूप में ही सामने आते हैं। ऐसे समय में जो पुरूषार्थ करेगा, वह तरक्की पाएगा। यहाँ उम्र नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता काम आती है। यानि सफलता रूपी रत्न को प्राप्त करने के लिए पुरूषार्थ रूपी प्रयत्न तो करना ही पड़ेगा।

- मनीष शर्मा

नारी सम्मान ही राष्ट्र का सम्मान

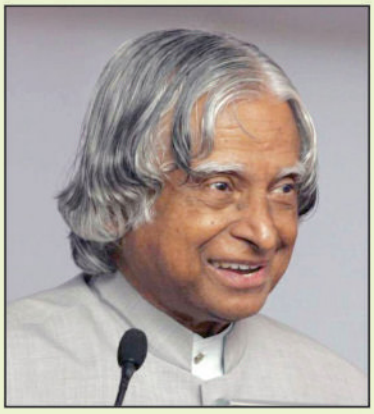

मेरा यह विश्वास है कि कोई देश कितना विकसित है, यह उस देश की महिलाओं को दिए जाने वाले सम्मान और सुरक्षा से जाना जा सकता है। ठीक इसी तरह मैं यह भी मानता हूँ कि हर पुरूष में महिलाओं के खिलाफ होने वाले किसी भी अन्याय का विरोध करने का भी हौसला है। सदियों से उन्होंने अपने इस हौसले का प्रदर्शन किया है और आगे भी करते रहेंगे, इस जज्बे को हमें सलाम करना चाहिए।

आज महिलाओं का सैनिक बनने का अवसर मुझे भी मिला है। इसके लिए मैं आपको एक महिला की कहानी सुनाता हूँ। यह कहानी उस महिला की है जिसने मुझे महिलाओं के लिए, महिलाओं के साथ खड़े होने के लिए सैनिक मूल्यों को अंगीकार करना सिखाया। मैं अपनी माँ के बारे में बात कर रहा हूँ। मैं रामेश्वरम् में संयुक्त परिवार में अपनी दादी और माँ के साथ रहता था, जो एक बड़े परिवार को चला रहीं थीं। तब मैं 10 साल का था। द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण घर में सामान का अभाव हो गया था।

एक दिन रात के खाने के समय मेरी माँ मुझे रोटी परोस रही थी, मैं खाता जा रहा था। खाने के बाद मेरे बड़े भाई ने कोने में ले जाकर कहा, "कलाम, तुम्हें पता है कि तुम रोटी खाए जा रहे थे और अम्मा तुम्हें अपने हिस्से की भी रोटी दिए जा रही थी ? यह मुश्किल समय है और एक जिम्मेदार पुत्र होने के नाते अपनी माँ को भूखा मत रहने दो।" मैं काँप उठा और खुद को नियंत्रित नहीं कर पाया। दौड़ते हुए अपनी माँ के पास गया और उनके गले लग गया। उस दिन मेरे भाई ने एक सैनिक के मूल्यों को हमारी माँ के सहारे समझा दिया। मेरी माँ 93 वर्ष तक जीवित रहीं। वे प्यार, दया और उससे भी बढ़कर एक देवी की मूरत थीं। मेरे 80 वर्ष के जीवन काल में कई महान महिलाओं से मिलने का अवसर मुझे मिला है। समाज और परिवार के लिए उनके योगदान ने मेरे मन में अमिट छाप छोड़ी है। मुझे विश्वास है कि हर एक के पास ऐसी ही प्रेरणास्पद यादें होंगी।

हमारे राष्ट्र में नारी सम्मान एक आदर्श परम्परा रही है और हर अच्छे इंसान को एक जुट होकर हमारी ऐसी स्वस्थ परम्पराओं को हानि पहुँचाने वाली अमानवताओं को जड़ से उखाड़कर अलग कर देना चाहिए। मेरा मानना है कि जब हम किसी महिला का सम्मान करते हैं तब हम अपने राष्ट्र का भी सम्मान करते हैं। सभी इंसानों को महिलाओं के साथ महिलाओं के हक में खड़ा होना चाहिए। ऐसा करके वह कुछ विशेष नहीं कर रहे हैं बल्कि अपनी निहित अच्छाई का पोषण कर रहे हैं। जितना अच्छे बन सकते हैं उतना अच्छे बनें और दूसरों का भी हौसला बढ़ाने का काम करें।

- पूर्व राष्ट्रपति डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

मुक्ति की आकांक्षा

विड़ियों को लाख समझाओ
की पिंजड़े के बाहर
धरती बहुत बड़ी है, निर्मम है,
वहाँ हवा में उन्हें
अपने जिस्म की गंध तक नहीं मिलेगी।
यूँ तो बाहर समुद्र है, नदी है, झरना है,
पर पानी के लिए भटकना है,
यहाँ कटोरी में भरा जल गटकना है।
बाहर दाने का टोटा है,
यहाँ चुग्गा मोटा है।
बाहर बहेलिये का डर है,
यहाँ निर्द्वन्द कंठ-स्वर है।
फिर भी चिड़िया
मुक्ति का गाना गाएगी,
मारे जाने की आशंका से भरे होने पर भी,
पिंजड़े से जितना अंग निकल सकेगा, निकालेगी,
हरसूँ जोर लगाएगी
और पिंजड़ा टूट जाने या खुल जाने पर उड़ जाएगी।

- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

Young Jaina Award 2012

10th Class

Aastha Luhadiya
Jaora (Madhya Pradesh)
10th CBSE GPA 10.0

Amarendra Hassan
Hassan (Karnataka)
10th CBSE GPA 10.0

Karan Patni
Ajmer (Rajasthan)
10th CBSE GPA 10.0

Muskan Baj
Khategaon (Madhya Pradesh)
10th CBSE GPA 10.0

Naman Jain
Saharanpur (Uttar Pradesh)
10th CBSE GPA 10.0

Parul Kalamkar
Bhopal (Madhya Pradesh)
10th CBSE GPA 10.0

Puru Raj Jain
Jaipur (Rajasthan)
10th CBSE GPA 10.0

Animesh Jain
Chhatarpur (Madhya Pradesh)
10th CBSE GPA 9.8

Chirag Jain
Ajmer (Rajasthan) 10th CBSE
GPA 9.8, NTSE Silver Medal

Samyak Bairathi
Jaipur (Rajasthan)
10th CBSE GPA 9.8

Tanushree Singhai
Jaipur (Rajasthan)10th CBSE
GPA 9.8, 2 Silver Medals in
Swimming

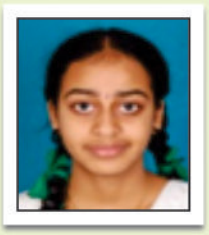

S. Deepika Suresh
Chennai (Tamil Nadu)
10th State Board 97.00%, 100% Marks
in Social Science, Classical Dance

Palak Jain
Ganj Basoda (Madhya Pradesh)
10th CBSE GPA 9.6

Poorvi Jain
Ajmer (Rajasthan)
10th CBSE GPA 9.6

Stuti Bhandari
Jaora (Madhya Pradesh)
10th CBSE GPA 9.6

Darshan Vinod Bafna
New Panvel (Maharashtra)
10th CBSE 95.00%

Abhishek Jain
Surat (Gujarat)
10th CBSE GPA 9.4

Prashul Jain
Ganj Basoda (Madhya Pradesh)
10th CBSE GPA 9.4

Riya Jain
Vidisha (Madhya Pradesh)
10th CBSE GPA 9.4

Rashi Jain
Dehradun (Uttatakhand)
10th ICSE Board 93.80%

Deepika Jain
Deori (Madhya Pradesh)
10th MPBSE 92.33%

Priya Jayesh Shah
Panvel (Maharashtra)
10th MPBSE 91.64%

Aditya Jain
Begumganj (Madhya Pradesh)
10th CBSE GPA 9.0

Aditya Jain
Jaipur (Rajasthan)
10th CBSE GPA 9.0

Yash Jain
Ganjbasoda (Madhya Pradesh)
10th MP Board 90.00%

10th Class

Sameep Kumar Jain
Ganjbasoda (Madhya Pradesh)
10th MPBSE 89.00%

Sudhanshu Jain
Jaipur (Rajasthan)
10th CBSE GPA 8.9

Chanchal Jain
Khurai (Madhya Pradesh)
10th MP Board 87.40%

Soham Patni
Aurangabad (Maharashtra)
10th MS Board 87.09%

Saransh Jain
Vadodara (Gujarat)
10th Gujarat Board 87.00%

Surbhi Jain
Ajmer (Rajasthan)
10th Rajasthan Board 82.50%

Nikhil Jain
Gwalior (Madhya Pradesh)
10th MP Board 76.10%

Anant Gowadiya
Bhopal
(Madhya Pradesh)
10th CBSE GPA 9.8

Aayushi Garg
Sheopur
(Madhya Pradesh)
10th CBSE GPA 9.6

Sammyak Singhai
Amravati
(Maharashtra)
10th MS Board 95.64%
NTSE Scholar

Avi Sharman Jain
Mumbai
(Maharashtra)
10th Maharashtra
Board 94.55%

Kushal Jain
Gandhidham (Gujarat)
10th CBSE GPA 9.2
Sports: Skating
(7th rank in State Level)
Essay: Selected for All
India Level

Samyak Jain
Agra
(Uttar Pradesh)
10th ICSE Board
92.00%

Suruchi Jain
Panna
(Madhya Pradesh)
10th MP Board
91.66%

Srimathi R
Chennai
(Tamil Nadu)
10th CBSE GPA 9.0

Ankita Murabatte
Kolhapur
(Maharashtra)
10th MSBSE 89.09%
Classical Music

Sunayana H M
Mysore (Karnataka)
10th Karnataka
Board 86.24%
Dist. level Badminton

12th Science

Rafil Jain
Jaipur (Rajasthan)
12th Science CBSE 93.20%
AIEEE, RPET

Rahul Jain
Bikaner, Rajasthan
12th Science CBSE 93.20%
IIT JEE Rank: 6412
AIEEE Rank: 8582, RPET Rank: 124

Nikita Jain
Shahdol (Madhya Pradesh)
12th Science MPBSE 92.60%
1st Rank in District

Saransh Jain
Jaipur (Rajasthan)
12th Science CBSE 92.00%

Palak Patodi
Ujjain (Madhya Pradesh)
12th Science CBSE 90.80%

12th Class

Pulkit Jain
Bangalore (Karnataka),
12th Science
CBSE 89.00%.

Prachir Sogani
Jaipur (Rajasthan)
12th Science CBSE 88.20%
AIEEE

Amit Jain
Sagar (Madhya Pradesh)
12th Science MPBSE 87.40%

Ankit Jain
Balod (Chattisgarh)
12th Science CGBSE 86.80%
AIEEE, CGPET, CGPPT

Gyayak Jain
Indore (Madhya Pradesh)
12th Science CBSE 86.40%
IIT JEE AIR 482

Venus Jain
Ujjain (Madhya Pradesh)
12th Science MPBSE 85.00%
AIEEE, MPPET

Deeksha Jain
Ashoknagar (Madhya Pradesh)
12th Science MPBSE 84.60%

Vinay Kumar Chaudhary
Ashok Nagar (Madhya Pradesh)
12th Science CBSE 84.60%

Akshat Jain
Jaipur (Rajasthan)
12th Science CBSE 84.20%

Swati Jain
Mungali (Chhattisgarh)
12th Science CGBSE 82.20%

Shubham Jain
Satna (Madhya Pradesh)
12th Science 82.00%
100 Marks in Maths, MPPET

Gaurav Jain
Jabalpur (Madhya Pradesh)
12th Science MPBSE 80.80%
MPPET Rank 3145

Anshul Porwal
Mandsaur (Madhya Pradesh)
12th Science CBSE 80.00%
MPPET, AIEEE

Siddhant Madvariya
Guna (Madhya Pradesh)
12th Science CBSE 77.00%.,
MPPET

Abhishek Jain
Bina (Madhya Pradesh)
12th Science MPBSE 76.00%

Kanishk Jain
Banswara (Rajasthan)
12th Science CBSE
89.60%
IIT JEE AIR 7233

Shreya Jain
Indore
(Madhya Pradesh)
12th Science
CBSE 88.40%

Swati Jain
Bijnor (Rajasthan)
12th Science
CBSE 88.40%

Samarpan Jain
Indore
(Madhya Pradesh)
12th Science
MPBSE 88.20%

Komal Garg
Sheopur
(Madhya Pradesh)
12th Science
CBSE 87.40%
MPPET

Anshul Jain
Dongargarh
(Chhattisgarh)
12th Science
CBSE 87.00%
MPPET, CGPET

Preetam Jain
Jaipur (Rajasthan)
12th Science Rajasthan
Board 85.23%
AIEEE

Ruchi Jain
Sagar
(Madhya Pradesh)
12th Science
MPBSE 83.60%
MPPET 72.00%

12th Class

Rajeev Satbhaiya
Sagar
(Madhya Pradesh)
12th Science
CBSE 83.40%

Paras Jain
Tikamgarh
(Madhya Pradesh)
12th Science
MPBSE 80.40%

Khusbu Arjunlalji Barcha
Digras (Maharashtra)
12th Science
Maharashtra Board 79.62%
PMT 85.50%

Rahul Jain
Tikamgarh
(Madhya Pradesh)
12th Science 79.00%
BAMS Rank 29th

12th Commerce

Saloni Jain
Gandhidham (Gujrat)
12th Commerce CBSE 93.25%
1st in Kutch

Ratik Jain
Jaipur (Rajasthan)
12th Commerce CBSE 93.20%
CPT 89.50% (AIR 18)

Vibhor Kalamkar
Katni (Madhya Pradesh)
12th Commerce CBSE 92.60%
1st Rank in Katni District
CPT 85.00%

Yash Shrimal
Ujjain (Madhya Pradesh)
12th Commerce CBSE 92.60%
CPT 85.50%

Anshul Solanki
Ujjain (Madhya Pradesh)
12th Commerce CBSE 91.20%
CPT 85.50%

Nilima Jain
Bhilwara (Rajasthan)
12th Commerce CBSE 91.00%
CPT 74.50%

Sakshi Jain
Jaipur (Rajasthan)
12th Commerce CBSE 90.80%
CPT 61.00%

Muskan Jain
Gotegaon (Madhya Pradesh)
12th Commerce 89.80%
CPT

Aayushi Jain
Indore (Madhya Pradesh)
12th Commerce CBSE 88.00%
CPT 89.00%

Shubham Jain
Jaipur (Rajasthan)
12th Commerce CBSE 87.00%
CPT 77.77%

Ankit Kothari
Beawer (Rajasthan)
12th Commerce CBSE 81.00%

Princi Jain
Gotegaon (Madhya Pradesh)
12th Commerce MPBSE 80.40%
CPT

Samriddhi Sethi
Ujjain (Madhya Pradesh)
12th Commerce CBSE 79.00%
CPT 67.00%

Akshat Banzal
Ashoknagar
(Madhya Pradesh)
12th Commerce MPBSE 77.40%

Chintan Jain
Ahemadabad (Gujrat)
IPCC 77.57%
AIR 28

Ankitha Jain
Bangalore (Karnataka)
CPT 60.50%

Shalini Jain
Bangalore (Karnataka)
12th Commerce
Karnataka
Board 86.00%
CPT 69.00%

Darshini Jain
Ganj Basoda
(Madhya Pradesh)
12th Commerce
MPBSE 85.80%

Ritu Jain
Sawai Madhopur
(Rajasthan)
12th Commerce
RBSE 80.20%

Niloy Jain
Ahmedabad (Gujarat)
Selected for IPM
(IIM Indore)

Graduation

Anurag Jain
Ashoknagar (Madhya Pradesh)
B.Tech (NIT, Bhopal) 88.40%
GATE 86.70 Percentile AIR-103

Archita Jain
Hathras (Uttar Pradesh) B.Tech (Amity University)
GPA 8.84, GATE 94 Percentile
CAT 89.2 Percentile

Chirag Jain
Jaipur (Rajasthan) B.E. (Rajasthan Technical University, Kota) 86.60%

Shubham Jain
Sagar (Madhya Pradesh)
B.E.(RGPV Bhopal)
84.30%.

Poorvi Jain
Bhopal (Madhya Pradesh)
B.E. (CSE, RGPV, Bhopal) 84.00%
GATE 98.77 Percentile

Sumit Jain
Mohali (Punjab)
B.E. (RGTU) 83.77%

Abhinandan Kothari
Indore (Madhya Pradesh)
B.Tech (CSE, Amity University)
GPA 8.37, GATE 98.3 Percentile

Vaishali Jain
Gotegaon (Madhya Pradesh)
B.E. (ECE, RGPV, Bhopal) 82.19%

Vrashti Jain
Bhopal (Madhya Pradesh)
B.E. (RGPV) 80.20%

Palak Jain
Mehsana (Gujrat)
B.E. (Electrical, Gujarat Technological University) GPA 7.97

Ronak Jain
Ajmer (Rajasthan)
B.Tech (ISM, Dhanbad)
GPA 7.93

Rachit Jain
Indore (Madhya Pradesh),
B.E.(Mech, RGTU,Bhopal) 78.25%

Somya Jain
Bhopal (Madhya Pradesh), BDS (Barkatulla University) 78.00%
University Rank 3rd

Nividha Shah
Dewas (Madhya Pradesh)
B.E. (Honors CSE) 77.70%

Neha Jain
Bhopal (Madhya preadesh)
B.E. (Electronics) 77.65%

Arpita Jain
Bhopal (Madhya Pradesh)
B.E. (ECE, RGPV, Bhopal) 77.13 %
Placement in TCS

Shubham Jain
Sagar (Madhya Pradesh), B.E. (Honors) (EEE, RGPV) 76.66%
3rd Rank in class

Maniyarasu R
Kanchipuram (Tamil Nadu)
B.E. (Anna University) 76.00%

Ashish Jain
Tikamgarh (Madhya Pradesh)
B.E. (RGPV, Bhopal) 70.69%

Garima Jain
Indore (Madhya Pradesh)
B.E. (Acropolis Institute of Technology & Research) 70.03%

Himanshu Jain
Ajmer (Rajasthan)
B.Tech (CSE)
GATE Rank 5489

Anshul Jain
Kota (Rajasthan), Rajasthan Technical University Kota,
B.Tech. 70.70%

Ankit Jain
Sagar (Madhya Pradesh)
Graduation Dr. H. S. Gour Central University, GPA 8.26/9.00 Rank 3

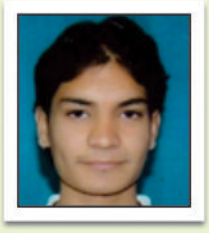

Asmik Jain
Sironj (Madhya Pradesh)
Barketullah University
B.C.A. 76.60%

Shobita Jain
Sagar (Madhya Pradesh)
Graduation (RGPV Bhopal)
75.00%

Graduation

Shweta Jain
Bina (Madhya Pradesh)
Graduation Dr. H S Gour University, Sagar, B.Com 71.00%
2nd Rank in College

Ravin Jain
Bundi (Rajasthan)
B.Tech
(IIT Rajasthan)
GPA 7.97

Deepti Bharat Gat
Hupari (Maharashtra)
Shivaji University
B.B.A. 80.55%
2nd Rank in University

Vinee Jain
Ujjain
(Madhya Pradesh)
Graduation
(Vikram University)
78.00%

Richa Jain Jabera
(Madhya Pradesh)
Graduation: Rani Durgawati University, Jabalpur
M.S.W. 76.00%

Ankita Patni
Ajmer (Rajasthan)
Graduation
(Mohanlal Sukhadia University, Udaipur)
M.B.A. 74.60%

Sajal Jain
Gotegaon
(Madhya Pradesh)
Graduation RGPV, Bhopal 74.00%

Surjeet Kumar Jain
Deori (Madya Pradesh)
GATE 99.9 Percentile AIR 232

Gourav Jain
Sagar (Madhya Pradesh)
B.E. (CSE), GATE AIR 195 (99.86 percentile)

Seema Jain
Jaipur (Rajasthan)
GATE 98.70 Percentile

Rahul Singhai
Gwalior (Madhya Pradesh)
M.Pharma. GATE 98.30 Percentile

Harshit Sethy
Indore (Madhya Pradesh)
GATE 97.80 Percentile

Anjali Jain
Sagar (Madhya Pradesh)
GPAT AIR 46, NIPER AIR 65

Varun Jain
Vijaipur (Madhya Pradesh)
CAT 97.51 Percentile
Converted IIMC, IIML

Chirag Todarka
Jaipur (Rajasthan)
GRE (Score 317/340)

Sonal Porwal
Mandsaur (MP)
ICAI 60.00%

Jyoti Jain
Bijainagar (Ajmer, Rajasthan)
UGC NET 67.84%

Akash Jain
Hazaribagh (Jharkhand)
SSC Rank - 393
M. Com. Gold Medalist
Selected for Custom Inspector

Kriti Jain
Chhindwada
(Madhya Pradesh)
XAT 94.40%
Joined XLRI
Jamshedpur for MBA

Swati Singhai
Gwalior
(Madhya Pradesh)
IBPS 147 marks

Dr. Nilay Harshad Shah
Surat(Gujarat)
MBBS 58.80%

CA

Kirti Jain
Ajmer (Rajasthan)
CA 65.00%, AIR 49

Paridhi Jain
Jaipur (Rajasthan)
CA 58.00%

Saranya E
Chennai (Tamil Nadu)
CA 56.25%

Shobhit Jain
Jaipur (Rajasthan)
CA 56.12%

Atishaya Jain
Ajmer (Rajasthan)
CA 55.63%

Ankit Jain
Jaipur (Rajasthan)
CA 53.00%

Meghna Jain
Indore (Madhya Pradesh)
CA 53.00%

Muskan Jain
Ajmer (Rajasthan)
CA 50.75%

Chintan Sudhir Kumar Shah
Ahemedabad (Gujarat)
CA 77.57%
AIR 28

Mahika Jain
Indore
(Madhya Pradesh)
CA 53.85%

Rahul Jain
Beawar (Rajasthan)
CA 51.85%
CS Executive Programme Exam

Vipul Jindani
Kota (Rajasthan)
CA 50.00%

Post Graduation

Nupur Jain
Ahmedabad (Gujarat)
M.Tech. (Pandit Deendayal Petroleum University) GPA 9.56
Gold Medalist

Arohi Agarkar
Nagpur (Maharashtra)
MA(Psychology) Nagpur University 85.00%. Degrees in Western and Classical Music

Preeti Jain
Kota (Rajasthan)
M.Sc.76.76%
Pursuing PhD.
NET Rank: 38, GATE: 126

Pankaj Arjunlalji Barcha
Digras (Maharashtra)
MBA (Som Lalit Institute of Management Studies, Ahemedabad) GPA 3.3/4.3

Anjali Jain
Balaghat
(Madhya Pradesh)
MCU, Bhopal 74.00%

Sumit Jain
Jabalpur
(Madhya Pradesh)
M.Pharma
(RGPV, Bhopal) 83.79%
College Topper
GPAT AIR 1314
NIPER AIR 681

Co-curricular Activities

Manish Sogani
Jaipur (Rajasthan)
Gold and Bronze Medal
in 4 x 100m Relay, 4 x 400m Relay
in Ajmer Regional Sports Meet

Paras Llohade
Nashik (Maharashtra)
Limca Book of Records
World's Largest Carry Bag
Bag Size 108 Feet x 53 Feet with history of Bhagwan Mahavira painted on it

QUESTION & ANSWER

Q. कर्म बड़ा है कि भाग्य, दोनों में क्या अंतर है ?

अंकित जैन, नोएडा

A. दोनों ही बराबर–बराबर हैं। कभी कभी पुरुषार्थ ज्यादा हो जाता है, और कभी कभी पुराना किया हुआ पुरुषार्थ ज्यादा हो जाता है। पुराना किया हुआ पुरुषार्थ ही तो भाग्य है। किसी और ने हमारे माथे पर हमारा भाग्य थोड़े ही लिखा है, हम ही अपने हाथों से अपने माथे पर भाग्य लिख लेते हैं। जो इस क्षण करते हैं, अगले क्षण वही हमारा भाग्य बन जाता है। किसी से कड़वी बात कहोगे तो आपका भाग्य तुरंत निर्धारित हो गया कि वो आपको तमाचा तक मार सकता है क्योंकि आपने उससे कड़ी बात कही है। तो इस तरह हमारा भाग्य हम अपने हाथ से निर्धारित करते हैं। कभी–कभी भाग्य की प्रबलता हो जाती है, वर्तमान का पुरुषार्थ काम नहीं करता और कभी–कभी वर्तमान का पुरुषार्थ अगर जागृत हो जाए तो अपने पूर्व में बाँधे गए कर्मों को भी हम काट करके आगे बढ़ जाते हैं। देखो, दोनों ही पटरियों पर रेलगाड़ी चलती है, एक अकेली पटरी पर नहीं चलती। दोनों पैरों से ही व्यक्ति चलता है, एक पैर से नहीं। वैसे तो एक बार में एक ही पैर आगे बढ़ता है, लेकिन दोनों ही जरूरी हैं, जो आगे है वह पुरुषार्थ है और जो पीछे छूट गया वो भाग्य है। फिर आगे आने वाला भाग्य बन जाएगा और पीछे वाला पुरुषार्थ है। इस तरह भाग्य और पुरुषार्थ मानों, दोनों पैरों की तरह जीवन में चलते रहते हैं।

Q. एक बार पूजा करने के बाद दूसरे दिन उन्हीं कपड़ों से क्या बिना धोये पूजा कर सकते हैं ?

सुजीत जैन, पुणे

A. नहीं....''देह परसते होत अपावन, निश दिन मल झारी।'' इस देह से स्पर्श होने पर वे कपड़े उतारने के बाद अपवित्र हो जाते हैं। जैसे माला पहन लो, और दूसरे से कहो कि तुम पहन लो, मैंने अभी दो मिनट ही तो पहनी है, तब दूसरा व्यक्ति स्वीकार नहीं करेगा और कहेगा कि अब नहीं पहनी जा सकती, आपकी उतरी उतराई माला है। इसी तरह देह पर एक बार धारण करने के बाद पुनः धो कर ही पहनेंगे। पूजा और प्रक्षाल में वस्त्रों की शुद्धि विशेष रूप से रखनी चाहिए।

Q. क्या अच्छे कार्यों के लिए दूसरे की सहायता ली जानी चाहिए? मुझे उचित मार्गदर्शन देने की कृपा करें।

अनुराग जैन, गंजबासौदा

A. पहले ये देखना पड़ेगा कि अच्छे कार्य की क्या परिभाषा है। अच्छा कार्य वो है जिसमें अपनी आत्मा का और दूसरे का हित हो। तो अगर ऐसा कार्य करना चाहें तो संगति तो अनिवार्य है, सहायता तो अनिवार्य है। हम अपने जीवन को अच्छा बनाने के सबसे पहले किसकी मदद लेंगे?

अन्यथा शरणम् नास्ति, त्वमेव शरणं मम।
हमें इस संसार में कोई शरण नहीं मिली, न मुझे चाहिए है इस संसार में शरण। सहारा चाहिए तो किसका चाहिए? अपने आत्म कल्याण के लिए और पर के कल्याण के लिए सच्चे देव गुरू शास्त्र का सहारा तो हमें सबसे पहले लेना पड़ेगा । भैया, सहायता ली जानी चाहिए, क्योंकि हम लोग तीर्थंकर की हैसियत के नहीं हैं जो कि बिना किसी मदद के अपना आत्म कल्याण कर लें और दूसरे का भी आत्म कल्याण कर दें, इतनी सामर्थ्य थोड़े ही है। अपने को तो कदम कदम पर, सुबह से शाम तक का विचार करो, तो अपना पूरा जीवन दूसरे पर निर्भर है। सांस ले रहे हैं, वायु कायिक जीव हैं। भोजन कर रहे हैं, वनस्पति कायिक जीव हैं, पानी पी रहे हैं, जलकायिक जीव हैं। किन–किन की मदद नहीं ले रहे हैं, अर्थात् सबकी मदद से हमारा जीवन संसार में चल रहा है। इसीलिए अच्छे कार्य के लिए किसी की मदद लेने में कोई हर्ज नहीं है।

Q. जिन चैत्यालय और जिन मंदिर में क्या अंतर है ?

गरिमा जैन, जयपुर

A. जिन चैत्य के मायने तो होता है जिन बिम्ब, और जहाँ जिन बिम्ब विराजमान होते हैं उसको बोलते हैं – जिन चैत्यालय या जिनालय। original शब्द चैत्यालय और जिनालय ही हैं, फिर बाद में जिन मंदिर, ऐसा शब्द भी develop हुआ। मंदिर शब्द बहुत बाद में develop हुआ, चैत्यालय, या कि आयतन, जिनायतन, यही शब्द थे, दोनों में कोई अंतर नहीं है। जिन चैत्यालय कहें, जिनालय कहें, या कि जिन मंदिर कहें, एक ही बात है।

यदि आपकी कोई शंका या प्रश्न है, तो हमें लिख भेजिये। मुनिश्री द्वारा उसका उत्तर दिया जाकर शंका का समाधान किया जायेगा।

विनम्र श्रद्धा

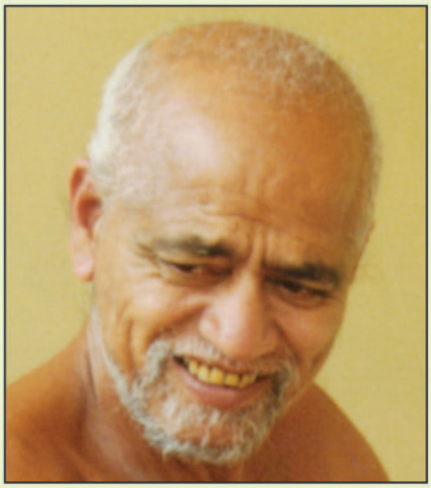

सिवनी के बड़े मन्दिर में आचार्य महाराज विराजे थे। वयोवृद्ध विद्वान पंडित सुमेरूचंद जी दिवाकर उनके दर्शन करने आए। तत्त्वचर्चा चलती रही। जाते समय पंडित जी बोले कि महाराज हमें तो आचार्य शान्ति सागर जी महाराज ने एक बार मंत्र जपने के लिऐ माला दी थी, जो अभी तक हमारे पास है। पंडित जी का आशय था कि आप भी हमें कुछ दें, पर आचार्य महाराज तत्काल बोले कि पंडित जी हमें तो हमारे आचार्य महाराज मालामाल कर गए हैं। माला की लय में मालामाल सुनकर सभी हँसने लगे।

इस स्वस्थ मनोविनोद में अपने पूर्वोचार्यों के प्रति विन्रम–श्रद्धा, उनसे प्राप्त मोक्षमार्ग के प्रति गौरव और अपनी लघुता–ये सभी बातें छिपी थीं। साथ ही एक संदेश भी पंडित जी के लिए, शायद सभी के लिए था, कि चाहो तो महाव्रती होकर स्वयं भी मालामाल हो जाओ, अकेली माला कब तक जपते रहोगे।

सिवनी, १९९१ ('आत्मान्वेषी' से साभार)

मुक्ति की आकांक्षा

शीशा देने वाला

जब भी मैं
रोया करता
माँ कहती -
यह लो शीशा,
देखो इसमें
कैसी तो लगती है
रोनी सूरत अपनी
अनदेखे ही शीशा
मैं सोच-सोचकर
अपनी रोनी सूरत
हँसने लगता।

एक बार रोई थी माँ भी
नानी के मरने पर
फिर मरते दम तक
माँ को मैंने खुलकर हँसते
कभी नहीं देखा।
माँ के जीवन में शायद
शीशा देने वाला
अब कोई नहीं था।

सबके जीवन में ऐसे ही
खो जाता होगा
कोई शीशा देने वाला।

मुनि क्षमा सागर जी
अनुवाद - श्रीमती सुनीता जैन
'मुक्ति' से साभार

Mirror Holder

Whenever I cried
my mother held up
a mirror and said
'Look, this is how you look
when you weep.'

I laughed then,
imagaing my
weepy face without even
glancing in the mirror.

Mother too cried once
when her mother died.
After that my mother
did not laugh as she used to
till she died.
Perhaps there was no one
to hand a mirror to my mother.

Perhaps we lose,
one by one, those who
show our face
by holding up a mirror.

छोटा सा प्रयास - बड़ा बदलाव

मुंबई में जब 16 लाख लोग डिब्बे से लंच कर रहे होते हैं तब सड़कों पर रहने वाले 2 लाख बच्चे भूखे ही रह जाते हैं और इनमें से 2 बच्चे भूख के कारण मर जाते हैं। यही परिदृश्य हमारे आसपास का भी है।

समस्या का हल आप क्या सोचते हैं ?

मिलिए मुम्बई के डिब्बेवालों से। दुनिया का सबसे अच्छा सिस्टम। FORBES द्वारा 6 SIGMA प्रमाणित। ये डिब्बेवाले लगभग 2 लाख डिब्बे रोज बांटते हैं, और इन डिब्बों में लगभग 120 टन खाना होता है। इसमें से औसतन 16 टन खाना रोज बच जाता है। इस बचे हुए खाने को भूखे बच्चों तक पहुँचाना चुनौती पूर्ण काम था, परन्तु मुम्बई के डिब्बेवालों ने बिना 6 सिग्मा को बिना छेड़ेछाड़े सिर्फ एक स्टीकर से यह काम कर लिया। SHARE MY DIBBA। डिब्बा में खाना बचने पर डिब्बे का उपयोग करने वाला उस पर Share का रेड स्टीकर लगा देता है। जब डिब्बे वापिस पहुँचते हैं उनमें से Share के स्टीकर लगे डिब्बे एक तरफ रख लिए जाते हैं, जिन्हें वालंटियर्स भूखे बच्चों तक पहुँचाते हैं। छोटा सा प्रयास बड़ा बदलाव ला रहा है। यह प्रयास Happy Life Welfare Society और डब्बावाला फाउंडेशन ने मिलकर किया है।

संकलन - सिम्पी जैन, पुणे

वो लिखती थी

वो लिखती थी
आँखों में जितने सपने थे
सब बिखेर देती
इस कदर लिखती
मानो शब्दों के पंख निकल आये हों।

फिर अपनी मर्जी से
बारिश करवाती
खूब तेज हवा चलवाती
सूखे–सूखे कागज़ पर
अपनी भावनाओं के फूल बनाती।

कुछ पन्ने अब भी गीले हैं
उसकी स्याही से भीगे हैं
कभी एक आंसू भी टपका था शायद
कैद है उसकी याद
कागज़ की नरमी में,
हाथ फेरो तो दिखेगा
तुम्हें भी वो एहसास

अपनी पहली लाल साड़ी
कोई चटनी की रेसिपी
पति से नोंक–झोंक
या अपनी नयी जिंदगी की क्यारी
सब कैद कर ली थी
उस डायरी के
पुराने पन्नों में

फिर वक्त के साथ
वो डायरी भी
कहीं छूट गयी
हिसाब की लाल किताब ने जगह जो लेली

अब भी वो लिखती है
पर उन पन्नो में अक्षर कम ही हैं
नंबर हैं
बाई के एडवांस के
पति के पतलून से लेकर के नये बूट के
गैस सिलिंडर का स्पीड डायल है
बड़ी लड़की का एड्रेस है
छोटी की शादी का प्लान

वो अब भी लिखती है
फोन पर बात करते करते
फूल बनाती है
कुछ आधा सा लिखा ख्वाब
अनकही सी बात पर
शब्दों में
अब कहाँ जान डालती है?

अमृता जैन, नागपुर

बहुत समय के बाद Chirping Sparrow प्राप्त हुई। इसके प्रकाशन हेतु साधुवाद। मेरे बेटे गौरव (RJX4025) को 2004 में अशोकनगर में YOUNG JAINA AWARD प्राप्त हुआ था, तब से मैत्री समूह से जुड़ाव है। पत्रिका नियमित भेजें।

– निर्मल पाटोदी, कोटा

मुझे Chirping Sparrow पढ़ना अच्छा लगता है। इसके पृष्ठों में कई ज्ञानवर्धक लेख एवं कवितायें पढ़ने को मिलती हैं। मैं चाहूंगा कि जब भी यह पत्रिका प्रकाशित हो, आप मुझे इसकी एक प्रति भेजने का कष्ट करें।

-अक्षय सेठी, अजमेर

Thank you for making Chirping Sparrow easily accessible on internet. I do enjoy reading the soft copy but I want the newsletter's hard copy as well, so that every body at home can also read it. Please continue sending the newsletter.

-Shubhita Jain, Jaipur

महत्वपूर्ण चिट्ठी

सच्चा स्नेह

एक बार स्वामी रामतीर्थ पानी के जहाज से अमेरिका जा रहे थे। जब जहाज किनारे लगने वाला था तब वहाँ काफी गहमा गहमी और हलचल बढ़ गयी। सभी लोग अपना सामान समेटने में लगे हुये थे। स्वामी जी बिल्कुल शांत और मौन बैठे हुये थे। लोगों को बड़ा आश्चर्य हो रहा था कि इनको अपना सामान नहीं समेटना है क्या ?

तट पर अनेक लोग अपने रिश्तेदारों और मित्रों का स्वागत करने या उन्हें लिवाने आये थे। बहुत कोलाहल था पर स्वामी जी इस शोरगुल में भी बड़ी शांति से बैठे थे। उनको इस तरह शांत बैठे देखकर एक अमेरिकी युवक को बड़ा आश्चर्य हुआ और वो स्वामीजी के पास आकर बोला – श्रीमान आप कौन हैं ? और कहाँ से आये हैं ?

स्वामी जी ने बड़ी शांतिपूर्वक उत्तर दिया – मैं हिन्दुस्तान का फकीर हूँ।
उस युवक ने फिर पूछा – क्या आपके पास यहाँ ठहरने के लिये पर्याप्त धन है ? या यहाँ आपका कोई परिचित है ?

स्वामी जी ने कहा – मेरे पास धन संपत्ति तो कुछ नहीं पर थोड़ा परिचय अवश्य है।
युवक ने परिचय जानना चाहा तो स्वामीजी बोले – मेरा आपसे परिचय है और थोड़ा भगवान से है।

अब युवक बोला – अगर ऐसा है तो क्या आप मेरे घर चलेंगे ?

स्वामी जी ने उसका आमंत्रण स्वीकार कर लिया और उसके घर जाकर ठहर गये।

एक इंसान का दूसरे इंसान पर और भगवान पर ऐसा भरोसा ही सच्चे स्नेह को जन्म देता है। अपने विचारों में जितनी सादगी और सरलता रखेंगे उसका प्रतिदान भी वैसा ही सहज और स्नेहपूर्ण मिलेगा।

BOOK-POST

Year - 10, Issue - 1

Chirping Sparrow

A Newsletter of Maitree Jankalyan Samiti

From
MAITREE SAMOOH
Post Box No. 15, Vidisha, Madhya Pradesh - 464001
E-mail : maitreesamooh@hotmail.com,
samooh.maitree@gmail.com
Website : www.maitreesamooh.com
http://maitreesamooh.blogspot.com
Mob.: 94254-24984

To, _____

_____

_____